परमाणु ऊर्जा शिक्षण संस्था , मुंबई

कार्यपत्रक संख्या - 4

कक्षा नौवीं विषय - हिंदी [द्वितीय भाषा]

कविता का नाम - वाख

प्र.1 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर का सही विकल्प चुनकर लिखिए - [1*5=5]

रस्सी कच्चे धागे की, खींच रही मैं नाव |

जाने कब सुने मेरी पुकार, करें देव भवसागर पार |

पानी टपके कच्चे सकोरे, व्यर्थ प्रयास हो रहे मेरे |

जी में उठती रह-रह हूक , घर जाने की चाह है घेरे ||

[1] कच्चे धागे की रस्सी क्या है ?

[क] कच्चे धागे से बनी रस्सी

[ख] रेशमी धागे से बनी रस्सी

[ग] शरीर एवं प्राण द्वारा किए जाने वाले प्रयासों की बनी रस्सी

[घ] उपर्युक्त सभी

[2] नाव क्या है?

[क] लकड़ी की बनी हुई वस्तु

[ख] नदी को पार करवाने वाली

[ग] नौका को कहते हैं

[घ] मानव शरीर

[3] कच्चे सकोरे से कवयित्री का क्या आशय है ?

[क] मिट्टी के बने कमजोर बर्तन

[ख] सांसारिक जीवन शैली अपनाकर किए गए प्रयासों का कमजोर होना

[ग] मिट्टी के बने कुल्हड़

[घ] वैराग्य जीवन शैली

[4] कवयित्री के जी में हुक क्यों उठती है?

[क] परमात्मा के दर्शन करने के कारण

[ख] परमात्मा के लिए कोशिश करने के कारण

[ग] परमात्मा से मिलने पाने के कारण

[घ] परमात्मा की भक्ति करने के कारण

[5] कवयित्री किसके घर जाने के लिए कहती है?

[क] अपने घर [ख] ईश्वर के घर [ग] अपने पति के घर [घ] अपने माता-पिता के घर

प्र.2 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए - [1*5=5]

खा - खाकर कुछ पाएगा , न खाकर बनेगा अहंकारी |

सम खा तभी होगा समभावी , खुलेगी साँकल बंद द्वार की |

[1] खाना खाकर भी कुछ क्यों नहीं प्राप्त होता ?

[क] भोग करने से मन ईश्वर से दूर जाता है

[ख] ईश्वर साधना भंग होती है

[ग] मनुष्य को कुछ प्राप्त नहीं होता

[घ] उपर्युक्त सभी

[2] सम खाने का क्या आशय है ?

[क] सबको बराबर समझना

[ख] भोगों पर उचित संयम रखना

[ग] मिलकर खाना

[घ] संयम बनाना

[3] समभावी किसे कहते हैं ?

[क] सब के प्रति समान भाव

[ख] सब बराबर खाना

[ग] जो भोग और त्याग के बीच का मार्ग अपनाएं

[घ] जो केवल भोग का मार्ग अपनाएं

[4] बंद द्वार से क्या अभिप्राय है ?

[क] बंद दरवाजा खोलना [ख] बंद खिड़की खुलाना

[ग] ईश्वर दर्शन का द्वार [घ] प्रभु मिलन का रास्ता

[5] न खाने से व्यक्ति क्या बनता है ?

[क] अहंकारी [ख] स्वाभिमानी [ग] मनमानी करना [घ] डरपोक

प्र.3 'बाख' कविता के आधार पर निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए - [1*10=10]

[1] खुलेगी बंद द्वार की साँकल का प्रयोग कवयित्री ने किस अर्थ में किया है?

[क] दरवाजे की जंजीर खोलने की अर्थ में

[ख] बुद्धि के व्यापक होने के अर्थ में

[ग] बंद दरवाजे को खोलने के अर्थ में

[घ] दरवाजे की रस्सी खोलने के अर्थ में

[2] बंद द्वार की साँकल कैसे खोली जा सकती है ?

[क] ताले को तोड़कर [ख] रस्सी को तोड़कर

[ग] मधुर भाषी बनकर [घ] समभावी बनकर

[3] कवयित्री प्रभु को शिव के नाम से क्यों पुकारती है ?

[क] शिव ही सबसे बड़े देव हैं [ख] वह सबका कल्याण करने वाला है

[ग] वह जल्दी क्रोधित हो जाता है [घ] वह जल थल में वास करता हैं

[4] कवयित्री ज्ञानी को क्या जाने की प्रेरणा देती है ?

[क] अपने कर्मों को जानो [ख] अपनी पहचान बनाओ

[ग] अंतःकरण की पवित्रता को जानो [घ] अपनी हैसियत जानो

[5] शिव का वास कहाँ है ?

[क] शिवालय में [ख] हर घर में [ग] पर्वत की चोटी पर [घ] सर्वत्र कण-कण में

[6] नाव किसका प्रतीक है ?

[क] नौका का [ख] नदी पार कराने वाली [ग] मानव शरीर [घ] नया पथ

[7] कवयित्री के मन में हुक क्यों उठती है ?

[क] परमात्मा के दर्शन के कारण [ख] परमात्मा से न मिल पाने के कारण

[ग] परमात्मा की बात न सुन पाने के कारण [घ] पानी गिरने के कारण

[8] भोग करने से क्या होता है ?

[क] व्यक्ति अपना जीवन सुखी बनाता है

[ख] व्यक्ति दुखी रहता है

[ग] उसकी इस साधना भंग होती है

[घ] व्यक्ति भोगी बनता है

[9] 'खुलेगी साँकल' किस स्थिति का प्रतीक है ?

[क] सांसारिक बंधनों से मुक्ति

[ख] सांसारिक बंधनों में जकड़ना

[ग] मोक्ष के प्रतीक

[घ] क तथा ग दोनो सही है

[10] कवयित्री द्वारा मुक्ति के लिए किए गए जाने वाले प्रयास व्यर्थ हो रहे हैं।

[क] उम्र बढ़ रही है

[ख] मृत्यु निकट आ रही है

[ग] साधना का परिणाम नहीं निकल रहा है

[घ] उपर्युक्त सभी

प्र.4 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए - [2*10=20]

[1] कच्चे धागे की रस्सी तथा नाव क्या है?

[2] कच्चे सकोरे से कवयित्री का क्या आशय है?

[3] ईश्वर प्राप्ति की कवयित्री के प्रयास बेकार क्यों हो रहे हैं?

[4] 'आई सीधी राह से ,गई न सीधी राह' पंक्ति से क्या तात्पर्य है?

[5] सुषुम सेतु पर खड़े होने का क्या अभिप्राय है?

[6] कवयित्री किस बात पर चिंता प्रकट करती है ?

[7] कच्चे सकोरे से कवयित्री का क्या आशय है?

[8] ईश्वर प्राप्ति में कैसे प्रयास सहायक नहीं होते?

[9] बंद द्वार की साँकल कैसे खोली जा सकती है, वाख कविता के आधार पर बताइए?

[10] खुलेगी बंद द्वार की साँकल का प्रयोग कवयित्री ने किस अर्थ में किया है ?

प्र.5 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए - [3*5=15]

[1] रस्सी कविता में किसके लिए प्रयुक्त हुई है और वह कैसी है ?

[2] कवयित्री द्वारा मुक्ति के लिए किए जाने वाले प्रयास व्यर्थ क्यों हो रहे हैं?

[3] कवयित्री का घर जाने की इच्छा से क्या तात्पर्य है?

[4] बंद साँकल की द्वार खोलने के लिए कवयित्री ने क्या उपाय सुझाया है ? लिखिए |

[5] ज्ञानी से कवयित्री का क्या अभिप्राय है?

प्र.6 निम्नलिखित प्रश्नों के विस्तार पूर्वक उत्तर लिखिए - [5*5=25]

[1] कवयित्री ने कविता में परस्पर समाज में व्याप्त आपसी भेदभाव को मिटाने के लिए क्या-क्या सुझाव बताएं हैं?

[2] कवयित्री ने प्रभु की प्राप्ति में कौन-कौन सी बाधाओं का वर्णन किया है ? विस्तारपूर्वक लिखिए |

[3] कवयित्री द्वारा रचित वाख का प्रतिपाद्य अपने शब्दों में लिखिए।

[4] 'जाने कब सुने मेरी पुकार' कहकर कवयित्री किससे क्या पुकार कर रही है, इससे उसका कौन सा भाव प्रकट हुआ है?

[5] महापुरुषों के अनुसार समाज में व्याप्त भेदभाव के कारण देश व समाज को क्या हानि हो रही है ?

****